

दिनांक 28 जून. 1985

क्रमांक 746-ज-(2)-85/19462.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती सुरजी देवी, विधवा श्री नन्द राम, गांव घसौला, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की खरीफ, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 716-ज-(2)-85/19468.—श्री हाकिम सिंह, पुत्र श्री शेर सिंह, गांव राजौद, तहसील व जिला जीन्द की दिनांक 6 सितम्बर, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हाकिम सिंह की मुब्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 252-ज-II-84/8719, दिनांक 26 मार्च, 1984 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती बिरसा कौर के नाम रखी. 1985 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 672-ज-(1)-85/19477.—श्री ज्ञान सिंह, पुत्र श्री मस्तान सिंह, गांव उरनाय, तहसील पेहवा, जिला कुरुक्षेत्र, की दिनांक 4 फरवरी, 1985 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री ज्ञान सिंह की मुब्लिंग 350 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44049, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती माया देवी के नाम खरीफ, 1985 से 350 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

शुद्धि-पत्र

क्रमांक 643-ज-II-85/19473.—हरियाणा सरकार राजस्व विभाग की अधिसूचना क्रमांक 643-ज-II-85/16776, दिनांक 29 मई, 1985 को नौरी लाइन में श्रीमती केसर कौर को बजाये श्रीमती केसर देवी पढ़ा जाये।

ओ० पी० सांगड़ा,

प्रवर सचिव, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग।

POWER DEPARTMENT

The 3rd July, 1985

No. 2/15/85-1MI&P.—The Governor of Haryana is pleased to extend the term of the Committee to examine the technical causes of pressurising and backfiring of 60 MW Unit-I Boiler furnace at Faridabad Thermal Power Station, resulting into an accident on 20th May, 1985 constituted,—vide Haryana Government notification No. 2/15/85-1 MI&P. dated the 28th May, 1985 for a period of one month (i.e. from 28th June, 1985 to 27th July, 1985).

UMESH NANDA,

Joint Secretary to Government,  
Haryana, Irrigation and Power Department.